पुनरावृत्ति

Tender Heart School, Sec. 33-B, CHD.

DAT. 26.8.24
PAGE No. 1

कक्षा - आठवीं शिक्षिका - सुमन शर्मा
विषय - हिंदी साहित्य (पुनरावृत्ति पाठ-6, 7)
(पाठ-6 जैसलमेर की राजकुमारी पाठ-7 हाथ का लिखा मासिक पत्र)

पुस्तक - नवतरंग-8

सुप्रभात प्यारे बच्चो!

आज मैं आपको पाठ-6 और पाठ-7 की पुनरावृत्ति करने के लिए कार्य दे रही हूँ।

प्रश्न 1. नीचे दिए गद्यांश को ध्यान से पढ़ो और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखो :-

" यवन सेनापति, मुझे तुमसे कुछ परामर्श करना है, मैं विवश हो गई हूँ। दुर्ग में खाद्य-सामग्री बहुत कम हो गई है और मुझे यह संकोच हो रहा है कि आपकी कैसे अतिथि सेवा की जाए। अब कल से हम लोग एक मुट्ठी अन्न लेंगे और आप लोगों को दो मुट्ठी उस समयतक मिलेगा जब तक कि अन्न दुर्ग में रहेगा। आगे ईश्वर मालिक हैं।"

- जैसलमेर की राजकुमारी -
लेखक - आचार्य चतुरसेन

(क) दुर्ग में बाहर से रसद आनी बंद क्यों हो गई थी?
(ख) राजकुमारी को कैसे पता चला कि रात में चोरी-छिपे आने वाला व्यक्ति शत्रु है?
(ग) शत्रुओं ने दुर्ग पर विजय पाने के कौन-कौन से प्रयास किए?
(घ) शब्दों के अर्थ लिखो :- निर्भय, गर्द, वक्र दृष्टि, प्राचीर, प्रबल।

प्रश्न-2. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखो :-

घर-परिवार में जो नए खरीदकर आते हैं, उन पर रंगीन

Scanned with CamScanner

DATE . 26.8.24
PAGE No. 2

कक्षा - आठवीं शिक्षिका - सुमन शर्मा
विषय - हिंदी साहित्य (पुनरावृत्ति पाठ-6 जैसलमेर की राजकुमारी पाठ-7 हाथ का लिखा मासिक पत्र)

तस्वीरें चिपकी रहती हैं। उन्हें लेकर रखते जाओ। टोली के सब साथी चाहें तो ऐसी तस्वीरों का ढेर लगा दें। कितने ही घरों में रोज़ अखबार आते हैं, उन्हें उलट-पुलटकर देखते रहो। कोई मनोरंजक समाचार या दिलचस्प बात मिल जाए, तो घरवालों से पूछकर कतरन निकाल लो। अखबारों के विज्ञापनों में भी बहुत-से आकर्षक चित्र छपते हैं। उनमें ढूँढ़ लो जो तुम्हारे काम का है। उन्हीं में फूल-पत्ती की किनारी भी मिल जाएगी। इस तरह सच्ची लगन और पक्की धुन होगी, तो काफी मसाला जुट जाएगा।

-हाथ का लिखा मासिक पत्र-
लेखक - शिवपूजन सहाय

(क) मासिक पत्र का नाम कैसा होना चाहिए?
(ख) हाथ के लिखे मासिक पत्र के क्या लाभ हैं?
(ग) हाथ के लिखे मासिक पत्र को बनाने के लिए सबसे पहले क्या करना होगा?
(घ) शब्दों के अर्थ लिखो :-
संग्रह, पाँति, कद्र, हस्तलिखित, नतीजा।

प्रश्न-3. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़ो और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखो :-

सूर्य छिप रहा था। राजकुमारी कुछ चिंतित भाव से डूबते हुए सूर्य को देख रही थी। उसे चार दिन से पिता का संदेश नहीं मिला था। वह सोच रही थी कि इस समय पिता को क्या सहायता दी जा सकती है। वह एक बुर्ज के नीचे बैठ गई। धीरे-धीरे अंधकार बढ़ने लगा।

(पृष्ठ-2)

Scanned with CamScanner

DATE 26.8.24
PAGE No 3

कक्षा - आठवीं शिक्षिका - सुमन शर्मा
विषय - हिंदी साहित्य (पुनरावृत्ति पाठ-6 जैसलमेर की राजकुमारी पाठ-7 हाथ का लिखा मासिक पत्र)

उसने देखा, एक काली मूर्ति धीरे-धीरे पर्वत की तंग राह से किले की ओर अग्रसर हो रही है। उसने समझा, पिता का संदेशवाहक होगा, वह चुपचाप उत्सुक होकर उधर ही देखती रही। उसे आश्चर्य तब हुआ जब उसने देखा - वह गुप्त द्वार की ओर न जाकर सिंह-द्वार की ओर जा रहा है। तब अवश्य वह शत्रु है। राजकुमारी ने एक तीखा बाण हाथ में लिया और छिपती हुई उस मूर्ति के साथ ही द्वार के ऊपर आ गई। वह मूर्ति एक गठड़ी को पीठ से उतारकर प्राचीर पर चढ़ने का उपाय सोच रही थी। राजकुमारी ने धनुष पर बाण चढ़ाकर ललकारकर कहा - "वहीं खड़ा रह।"

जैसलमेर की राजकुमारी
लेखक - आचार्य चतुरसेन

(क) राजकुमारी रत्नवती ने मलिक काफूर को बंदी कैसे बनाया?
(ख) राजकुमारी की चिंता का क्या कारण था?
(ग) अलाउद्दीन के गुप्तचर ने आकर उसे क्या सूचना दी?
(घ) शब्दों के अर्थ लिखो:-
हँसी ठट्ठा, कौर्निस, प्रतिज्ञा, हिफाजत, परामर्श।

निर्देश:- सब बच्चे कराए गए पाठ्यक्रम को ध्यान में रखकर अपनी अर्द्धवार्षिक परीक्षा की तैयारी करेंगे। जिन बच्चों को विषय को समझने में कोई कठिनाई हो तो वे अपनी अध्यापिका से अपने संशय को दूर कर सकते हैं।

(अंतिम पृष्ठ-3)

Scanned with CamScanner